CAREERS 360
PREPARATION Series

UK Board Class 10

Hindi

Sample Paper 2024-25

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
2024–25
विषय–हिन्दी

समयः 3 घण्टा　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक– 80

निर्देश– (i) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देनो अनिवार्य हैं।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

भाषा समूची युग चेतना की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है और ऐसी सशक्तता वह तभी अर्जित कर सकती है जब वह अपने युगानुकूल मुहावरों को ग्रहण कर सके। भाषा सामाजिक भाव प्रकटीकरण की सुबोधता के लिए ही उद्दिष्ट हैं। कभी–कभी अन्य संस्कृतियों के प्रभाव से और अन्य जातियों के संसर्ग से भाषा में नए शब्दों का प्रवेश होता है और इन शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द अपनी भाषा में न प्राप्त हों तो उन्हें वैसे ही अपनी भाषा में स्वीकार करने में किसी भी भाषा–भाषी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यही भाषा की आधुनिकता होती है। भाषा म्यूजियम की वस्तु नहीं है, उसकी एक स्वतः सिद्ध सहज गति है जो सदैव नित्य नूतनता को ग्रहण कर चलने वाली है।

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति, विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नई सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नए प्रयोगों की नहीं भाव योजनाओं की, अभिव्यक्ति के लिए नए शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

अब प्रश्न यह है कि भाषा में यह परिवर्तन कैसे संभव हैं? यत्नसाध्य अथवा सहज–सिद्धि? यत्नसाध्य से तात्पर्य यह है कि भाषा को युगानुरूप बनाने के लिए किसी व्यक्ति–विशेष अथवा व्यक्ति समूह का प्रयत्न होना ही चाहिए। शायद सहजसिद्धि से आशय इतना ही है कि भाषा की यह गति स्वाभाविक होने के कारण यह किसी प्रयत्न विशेष की अपेक्षा नहीं रखती है। हर भाषा की अपनी खास प्रवृत्ति होती है। शब्द निर्माण तथा अर्थग्रहण की दिशा में उसका अलग रुख होता है। उस विशेष प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर ही, बिना उस भाषा की मूल आत्मा आत्मा को विकृत बनाये हम अन्य भाषागत शब्दों को स्वीकार कर सकते हैं, चंद रूपगत परिवर्तन के साथ।

(i)– भाषा किसका सशक्त माध्यम है?　　1

(ii)–वैज्ञानिक आविष्कारों का भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा है?　　2

(iii)– हर भाषा का अपना अलग रुख किन दिशाओं में होता है?　　2

(iv)–समसामयिक शब्द का अर्थ स्पष्ट है–　　1

(क) पूर्ण रूप से शक्तिशाली　　　　(ख) किसी कार्य को करना

(ग) वर्तमान में घटित होने वाली घटनाएँ (घ) किसी बात को प्रकट करना

(v) उपर्युक्त गद्यांश का निम्न विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है– 1

(क) भाषा (ख) विज्ञान (ग) अभिव्यक्ति (घ) संस्कृति

2– दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग २५0 शब्दों का निबन्ध लिखिए– 8

(क)– शिक्षा एवं सदाचार –

(1) जीवन में शिक्षा का महत्त्व (2) सदाचार का अर्थ एवं जीवन में प्रयोग
(3) जन–जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचार (4) सदाचरण में शिक्षा की भूमिका।

(ख)– योगासन और स्वास्थ्य –

(1) अर्थ (2) योगासन और खेल
(3) योगासन से स्वास्थ्य–लाभ : शारीरिक और मानसिक
(4) योगासन से अनुशासन और व्यक्तित्व का विकास।

3– अतिवृष्टि के कारण मार्ग अवरुद्ध होने से आपके गाँव या शहर का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। मार्ग चालू करने हेतु जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क,ख,ग है।) 4

अथवा

अन्तर्विद्यालीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में जनपद स्तर पर आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उक्त की जानकारी देते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लखिए। (आपका काल्पनिक नाम क,ख,ग, है।)

4– निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पद छाँटकर क्रिया का भेद बताइए– 2

(क) मोहन चाय पी रहा है।
(ख) राम हंसता है।

5– निम्नलिखित का यथा–निदेंश उत्तर दीजिए– 2

(क) विद्यालय कल भी खुलेगा। (इस वाक्य में निपात छाँटिए)
(ख) नरेन्द्र शाम को रोटी और दाल खाता है। (समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर लिखिए।)

6– निम्नांकित का यथानिर्देश उत्तर दीजिए– 2

(क) अध्यापक ने बताया कि कल स्कूल की छुट्टी रहेगी। (यह निम्न में से किस प्रकार का वाक्य है)

(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य (iii) मिश्र वाक्य (iv) साधारण वाक्य

(ख) निम्न में से संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए–

(i) रमा थोडी देर के लिए आई और चली गई। (ii) मोहन को बुलाओ।
(iii) आप बाहर न जाएँ। (iv) ईश्वर तुम्हें सफल करे।

7– (क) मोहन द्वारा पुस्तक पढ़ी गई। (वाच्य का नाम बताइए) 2

(ख) पक्षी उड़ते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

8– (क) निम्न में 'गिरि' शब्द का अर्थ है– 2

(i) पर्वत (ii) गिरना (iii) सरस्वती (iv) दुर्गा

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से कौन 'विधि' शब्द का अर्थ नहीं हैं।

(i) ब्रह्मा (ii) भाग्य (iii) रीति (iv) महादेव

9– निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2+2=4

(i) तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेश!

(क) कवि ने जीवन का सन्देश किसमें माना है?
(ख) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।
(ग) धूलि–धूसरित गात की तुलना किससे की गई है?

(ii) मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज सुंदर कमजोर काँती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका विषय
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में ।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए।
(ख) उक्त पद्यांश में किसकी भूमिका को स्पष्ट किया गया है?
(ग) 'भटकता हुआ एक अनहद में' कौन सा अलंकार है?

10– निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 2+2=4

(क) स्मृति को पाथेय बनाने में कवि का क्या आशय है?
(ख) साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है। इस कथन पर अपने विचार लिखिए।
(ग) बच्चे की दंतुरित मुसकान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

11— (क) संगीतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है? 1

(ख) आत्मकथ्य कविता का प्रतिपाद्य विषय क्या है? 1

12— निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2+2=4

(i) हाँ, इतना जरूर था कि उस जमाने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थीं, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस—कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।

(क) पड़ोस—कल्चर से विच्छिन्न होकर क्या विषमताएँ उत्पन्न हो गई हैं?

(ख) पाठ तथा लेखिका का नाम लिखिए।

(ii) और सभ्यता? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने—पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने—पहनने के तरीके, हमारे गमना—गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके, सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म—विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति? और जिन साधनों के बल पर वह दिन—रात आत्म—विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा?

(क) सभ्यता किसे कहते हैं?

(ख) संस्कृति, असंस्कृति कैसे बन सकती है?

13— निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2+2=4

(क) नेताजी का चश्मा कहानी हमें क्या संदेश देती है?

(ख) पाठ के आधार पर बाल गोविंद भगत के मधुर गायन की दो विशेषताऐं लिखिए।

(ग) 'एक कहानी यह भी' की विषय वस्तु क्या है?

14— (क) सुई धागे के आविष्कार का क्या कारण था? 2+1=3

(ख) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

15— निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2+2+2=6

(क) माता का आंचल शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

(ख) बच्चे माता—पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

(ग) गंगतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है?

(घ) कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग—अलग अवसरों की ओर संकेत करता है?

खण्ड— 'ब'

16— अधोलिखिते गद्यांशं पठित्वा त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत— 2+2+2=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

भुवनः–आचार्यवर! सज्जनाः के भवन्ति?

आचार्यः–ये जनाः सत्यभाषणं कुर्वन्ति, येषां हृदयं निर्मलं भवति, ये धर्मस्य आचरणं कुर्वन्ति ते एव सज्जनाः भवन्ति।

भुवनः–सत्सङ्गेन मानवजीवने परिवर्तनम् आगच्छति। सतां सङ्गेन गुणानां वर्धनं, दुर्जनसङ्गेन दोषाणां वर्धनं च भवति अतएव उक्तम् संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति। यथा–नारदस्य सङ्गेन रत्नाकरनामकः लुण्ठकः महान् आदिकविः वाल्मीकिः सञ्जातः। रामकृष्णपरमहंसस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीयसंस्कृतेः डिण्डिमघोशं सम्पूर्णे विश्वे कृतवान्। स्वामिनः विरजानन्दस्य, सम्पर्कं प्राप्य महर्षि दयानन्दः वेदानां महान प्रचारकः अभवत्। बुद्धस्य प्रभावेण क्रूरः सम्राट् अशोकः अहिंसकः विनम्रः च अभवत्।

(क) 'कृतवान्' अस्मिन् पदे प्रकृति–प्रत्ययं लिखत।

(ख) सज्जनाः के भवन्ति?

(ग) केषां संङ्गतिः सत्सङ्गतिः कथ्यते?

(घ) सत्यभाषणं के कुर्वन्ति?

17– अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा दौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2+2=4

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप मा कृथाः।
अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेशां गुणग्रहीतासि।।

(क) कूपः किं खेदं करोति?

(ख) अत्र नीचः कः?

(ग) 'नीचोऽस्मीति' अत्र सन्धिच्छेदं कुरुत।

18– पठित–पाठाधारितान् त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत– 2+2+2=6

(पठित पाठों पर आधारित किन्हीं तीन प्रश्नों का पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।)

(क) 'सत्सङ्गतिः' इति शब्दस्य कः अर्थः?

(ख) चाणक्यः कुत्र निवसति स्म?

(ग) कः नगाधिराजः?

(घ) दक्षप्रजापतेः पौराणिकी राजधानी कुत्र अस्ति?

19– अधोलिखितेशु शब्देशु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत– $\frac{1}{2} \times 4$

(निम्नलिखित दिए गये शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूचीः – हंस, सुखस्य, श्रेष्ठः, मोक्षप्रदं, क्षमां, सत्सङ्गतिः

(क) सज्जनानां सङ्गतिः..........................भवति।

(ख) नीरक्षीरविवेके........................आलस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।

(ग) ते चाणक्यं......................प्रार्थितवन्तः।

(घ) दुःखं विना नैव.......................बोधः।

(ङ) हरिद्वारं.........................नगरम् अस्ति।
(च) हिमालयपर्वतः भारतस्य पुण्य पर्वतेषु......................अस्ति।

20– अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं चत्वारि प्रश्नान उत्तरत– 1×4=4

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए)
(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)–
अति + आचारः, पो + इत्रम्
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए)–
पावनः, कोऽपि
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत–
(समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)
यथाशक्तिम्, पितरौ
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गानाम् पृथक कृत्वा लिखत–
(निम्नलिखित शब्दों मे उपसर्ग अलग कर लिखिए)
दुश्चरति, पर्यावरणम्
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्ध शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत–
(कोष्ठक में दिये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)
(i) ....पत्राणि पतन्ति। (वृक्षेण / वृक्षात् / वृक्षाय / वृक्षो)
(ii) सीता..................सह वनं गच्छति। (रामस्य / रामेण / रामः / रामायाः)

21– निम्नांकित शब्दसूचीतः चतुर्णाम् शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरूत– $\frac{1}{2} \times 4$

(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्य प्रयोग कीजिए।)
(क) अहम् (ख) सा (ग) पठिष्यति (घ) गच्छसि (घ) ते (ङ) अध्यापकः

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत। (निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।) **(1+1)**
(क) मैं खेलता हूँ।
(ख) छात्र विद्यालय जाते हैं।
(ग) हिन्दी हमारी राजभाषा है।